

कार्यक्रम में भारत सरकार के उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री और डीएसटी के सचिव थे मौजूद

# आईआईटी विजेता 84 प्रस्तावों में से, 7 सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावों को पिच फेस्ट के माध्यम से चुना गया

• इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने आईआईटी बॉम्बे के आईओटी व आईओई के प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र में आयोजित एटीएमएएन 2.0 के ग्रैंड फिनाले चैलेंज को जीता। एटीएमएएन 2.0 एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य एग्रीटेक डोमेन में नई तकनीकों को आगे लाना है, जिन्हें भारत भर के प्रमुख संस्थानों में विकसित किया जा रहा है और उन्हें एग्रीटेक समुदाय के सामने अपने अनुसंधान व विकास कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है, उन्हें प्रयोगशाला से मार्केट तक की यात्रा में सहायता करना है।

84 में से 7 सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावों को पिच फेस्ट से चुना: उपज से पहले का प्रबंधन, कृषि



उपज भंडारण सुविधाएं व वितरण नेटवर्क, उपज के बाद का प्रबंधन और मार्केट इंटेलिजेंस पर

परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए शैक्षणिक जगत के शोधकर्ताओं से प्रस्ताव आमंत्रित किए

जाते हैं। प्राप्त 84 प्रस्तावों में से, 7 सर्वश्रेष्ठ प्रस्तावों को पिच फेस्ट के माध्यम से चुना गया है, जिन्हें कृषि-तकनीक के विकास और कार्यान्वयन के लिए तकनीकी विकास सहायता व प्रयोगशाला से मार्केट तक मार्गदर्शन के साथ अनुदान के माध्यम से समर्थन दिया जाएगा। प्रत्येक प्रस्ताव को 2 करोड़ रुपये तक का अनुदान दिया जाएगा। इन प्रस्तावों का चयन कई दौर की प्रस्तुति के बाद किया गया। आईआईटी इंदौर पोर्टेबल किट का विकास- पारंपरिक रूप से उपज के उपरांत प्रबंधन का एक विकल्प परियोजना पर काम करेगा।

फोटोसेंसिटाइजर और दृश्य प्रकाश का करता है उपयोग: आईआईटी इंदौर के संकाय सदस्य डॉ. देबायन सरकार ने कहा, अपर्याप्त

भंडारण सुविधाओं के कारण कृषि उत्पादों की कटाई के बाद की प्रक्रिया एक बड़ी चुनौती रही है। कोल्ड स्टोरेज की लागत में प्रभावशाली रूप से वृद्धि हुई है, जिससे वैकल्पिक तकनीक का आविष्कार हुआ है। परियोजना का प्राथमिक लक्ष्य एक पोर्टेबल किट विकसित करना है, जिसमें एक

छोटा, विटामिन बी2 स्प्रे घोल शामिल हो, जो एक फ्लैश दृश्य प्रकाश स्रोत के साथ संयुक्त होने पर फोटोसेंसिटाइजर के रूप में कार्य करता है। यह किट खुले खाद्य पदार्थों और पैक किए गए खाद्य घटकों में रोगाणुओं को फोटोडायनामिक निष्क्रिय करने की अनुमति देता है।

## एक स्वचालित प्रणाली किट का विकास

एक स्वचालित प्रणाली किट का विकास जो कुशल दृश्य कीटाणुनाश और बंधीकरण के लिए 455 और 525 एमएम तरंग दैर्घ्य पर पर्यावरण के अनुकूल फोटोसेंसिटाइजर और दृश्य प्रकाश का उपयोग करता है, जो कि प्रभावशीलता को बढ़ाएगा, मानव स्वास्थ्य को प्राथमिकता देगा और प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए आईओटी की क्षमताओं को शामिल करेगा। इस कार्यक्रम में भारत सरकार के उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास राज्य मंत्री डॉ. सुकांत मजूमदार और डीएसटी के सचिव प्रोफेसर अभय करंदीकर उपस्थित थे।